This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

882

B.A. (Prog.)/II **D**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन—प्रश्नपत्र II

(हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और गद्य साहित्य का इतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

P.T.O.

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+8

(क) संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दु:ख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है। अत: सबके उद्देश्य को एक साथ जोड़ने से संसार का उद्देश्य सुख का स्थापन और दु:ख का निराकरण हुआ। अत: जिन कर्मों से संसार के इस उद्देश्य के साधन हों, वे उत्तम हैं। प्रत्येक प्राणी के लिए उससे भिन्न प्राणी संसार हैं। जिन कर्मों से दूसरे के वास्तविक सुख का साधन और दु:ख की निवृत्ति हो वे शुभ और सात्त्विक हैं तथा जिस अंत:करणवृत्ति से इन कर्मों से प्रवृत्ति हो वह सात्त्विक है।

अथवा

केवल उसके स्वभाव में अभिमान की मात्रा इतनी थी कि वह दोष की सीमा तक पहुँच जाती थी। अच्छे कपड़े

पहनना उसे अच्छा लगता था और यह शौक ग्राहकों के कपड़ों से पूरा हो जाता था। गहने भी उसकी माँ ने कम नहीं छोड़े थे। विवाह-संबंध उसके जन्म से पहले ही निश्चित हो गया था। पाँचवें वर्ष में ब्याह भी हो गया, पर गौने से पहले ही वर की मृत्यु ने उस संबंध को तोड़कर, जोड़ने वालों का प्रयत्न निष्फल कर दिया। ऐसी परिस्थिति में, जिस प्रकार उच्च वर्ग की स्त्री का गृहस्थी बसा लेना कलंक है, उसी प्रकार नीच वर्ग की स्त्री का अकेला रहना सामाजिक अपराध है।

(ख) उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी व बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र है। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारिणी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है। उसके सामने वह दो

वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्त्तव्यों से छुट्टी पा जाती हैं। वह घी और चीनी के डिब्बों में इतनी रमी हुई है कि अब वही उसकी सम्पूर्ण दुनिया बन गई है।

अथवा

मैं अपने से की अपनी प्रतिज्ञा निभाए जा रहा हूँ। शायद मेरे अवचेतन में कहीं कोई आस्था है—त्याग में, बलिदान में, प्रेम में, त्याग-बलिदान के प्रभाव में। ऐसी प्रतिज्ञाओं से एक इच्छा-बल तो निश्चय जागता है। क्या उस इच्छा-बल से मनोजगत में कोई इच्छित कार्य कराया जा सकता है ? या यह सब मेरी कल्पना है ?.....अंत में, आस्तिकता शायद आत्मविश्वास है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, आत्मवान भव। शायद इतने ही अर्थ में मैं अपने को यत्किंचित आस्थावान या आत्मवान कह सकता

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4

(*i*) ''मजदूरी और फकीरी मनुष्य के विकास के लिए परमावश्यक है''–'मजदूरी और प्रेम' के सन्दर्भ में इस कथन पर विचार कीजिए।

(*ii*) मानवीय जीवन में करुणा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) संस्कृति का अर्थ समझाते हुए मानव सभ्यता से उसके संबंध को स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'सरकारी तंत्र व्यवस्था में भ्रष्टाचार का बोलबाला है'–'भोलाराम का जीव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(*v*) 'बिबिया' के चरित्र की किन्हीं **चार** विशेषताओं को बताइए।

(*vi*) गजाधर बाबू जिंदगी द्वारा किस प्रकार ठगे गए ?

(*vii*) 'कर्कल का सान्निध्य मुझे न मिलता तो शायद मैं वह न बन पाता, जो मैं बन सका'—कथन के आधार पर लेखक और कर्कल के पारिवारिक संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×1

(*i*) डॉ. कुंटे कौन थे ?

(*ii*) गजाधर बाबू के चरित्र की कोई **दो** विशेषताएँ बताइए।

(*iii*) जोखू ने गंगी को ठाकुर के कुएँ के पास जाने से क्यों रोका ?

(*iv*) अपनी यात्रा की विस्तृत डायरी लिखने के लिए निर्मल वर्मा को किसने सुझाव दिया और क्यों ?

(v) "दादाजी, आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसंद नहीं करते"—कथन किसने और किस संदर्भ में कहा है ?

(vi) बुधिया के पति का नाम लिखिए।

(vii) किसके द्वारा दी गई आर्थिक मदद से हरिवंशराय बच्चन लंदन जाने में सफल हुए ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

(i) रुदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है। जो कभी एकांत में बैठकर, किसी की स्मृति में, किसी के वियोग में सिसक-सिसक और बिलख-बिलख नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है, जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्योछावर हैं। उस मीठी वेदना का आनन्द उन्हीं से पूछो, जिन्होंने यह सौभाग्य प्राप्त किया है। हँसी

के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है, मानों हम थक गए हों, पराभूत हो गए हों। रुदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन, उत्साह का अनुभव होता है।

(*ii*) जैसे कोई भक्त फूल और नैवेद्य लेकर देवता की उपासना करने जाये, पर देवता ने वरदान देने के बदले उसके थाल को ठुकरा दिया, उसके नैवेद्य को पैरों से कुचल डाला। उसे कुछ कहने का अवसर ही न मिला। आज पुलिस के विषैले वातावरण से निकलकर उसने स्वच्छ वायु पायी थी और उसकी सुबुद्धि सचेत हो गयी थी। अब उसे अपनी पशुता अपने यथार्थ रूप में दिखायी दी, कितनी विकराल, कितनी दानवी मूर्ति थी। वह स्वयं उसकी ओर ताकने का साहस न कर सकता था।

(*iii*) रानी हँसे तो फूल झरे और रोए तो मोती झरे। राजा रानी के पीछे प्राण दे। रानी अपने हाथ से सोने के बरक में लपेटकर राजा को छप्पन मसालोंवाला, सुगंध से भरपूर पान खिलाती और मंद-मंद मुसकाती। मुसकान ऐसी कि राजा पागल। राजा के बीस रानियाँ और थीं। बीस रानियों के सौ बच्चे। सोनल बच्चों के पीछे प्राण देती । बच्चे खाएँ तो रानी खाए। बच्चे सोएँ तो रानीं सोए। बच्चों का सिर दुखे तो रानी पीर से छटपटाए। बच्चों के चोट लगे तो रानी के फूल जैसे शरीर से खून झरे। कोई नहीं पतियाये तो आकर देख ले।

(*iv*) इस सिलसिले में मुझे एक अमरीकन की बात याद आती है। वह कुछ महीनों यहाँ रहा था और देखने सुनने के बाद बोला था कि हिन्दुस्तानी लोग बच्चों से प्रेम नहीं करते,

उन्हें बच्चों से मोह होता है, अंधा मोह। सच कहता हूँ तब मुझे बड़ा ताव आ गया था उस पर, पर बाद में सोचा, वह ठीक ही कहता था। एक आम हिन्दुस्तानी बच्चे की सही ढंग से परवरिश करना जानता ही नहीं। प्यार और देखभाल के नाम पर माँ-बाप ही अपने को इतना थोपे रहते हैं बच्चे पर कि कभी वह पूरी तरह पनप ही नहीं पाता।

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) 'गबन' उपन्यास में वर्णित सामाजिक समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

(*ii*) जालपा **अथवा** रमानाथ का चरित्रांकन कीजिए।

(*iii*) " 'आपका बंटी' उपन्यास बाल-मनोविज्ञान का अनूठा उदाहरण है", स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'आपका बंटी' उपन्यास के आधार पर शकुन की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. नाटक **अथवा** उपन्यास के विकास का परिचय दीजिए। 10

6. रिपोर्ताज **अथवा** संस्मरण की विकास-यात्रा का उल्लेख कीजिए। 10